rediffmail

Mailbox of skkataria64

+ LP पर मंत्रीजी को
NO. 145
16.2.26

Subject: Suggestions for Indian Railways

From: Surendra Kataria<skkataria64@rediffmail.com> on Tue, 17 Feb 2026 19:05:10
To: "crb"<crb@rb.railnet.gov.in>

श्री अश्विनी वैष्णव जी
माननीय रेल मंत्री, भारत सरकार,
रेल भवन नई दिल्ली।
विषय- भारतीय रेलवे में कार्यप्रणाली - सुधार हेतु सुझाव।
महोदय
सादर निवेदन है कि भारतीय रेलवे तंत्र में विशेषत: इसके आधारभूत संरचना में उल्लेखनीय कार्य हुआ है जिसमें अंडरपास, फाटक समस्या - समाधान और रेल्वे लाइन्स के साथ फेंसिंग इत्यादि प्रमुख हैं। इस हेतु आपके मंत्रालय को बधाई। यहाँ कुछ सुझाव बेहतरी के लिए प्रस्तुत हैं , आशा है आप विचार करेंगे-

1.चेयर कार डिब्बों में (वन्दे भारत सहित)डिब्बे के मध्य वाली आमने- सामने की 10 सीटों (सीट नम्बर 35-44) के यात्रियों हेतु पानी की बोतल रखने का कोई स्थान नहीं होता है और यदि बीच के टेबल टॉप पर बोतल रखें तो वह लुढ़कती रहती है। यह समस्या सीट के नीचे गोल पास या टेबल टॉप पर गोले बना कर उनके नीचे सपोर्ट लगा कर दूर की जा सकती है।

2 . विगत एक दशक में मैंने सम्पूर्ण भारत की लगभग 150 रेल यात्राएं की हैं लेकिन एक दृश्य दिल को बहुत पीड़ा देता है वह यह कि सारे देश में रेलवे लाइन्स के साथ-साथ कई तरह का मलबा , प्लास्टिक पन्नी , बोतल, कप , भोजन थाली और पॉउच बिखरे पड़े हैं और रेल्वे स्टेशन वदबू मारते हैं.डस्ट बिन गाडी चलते ही एक घण्टे में भर जाते हैं। इस दिशा में एक कठोर दंड नीति तत्काल अपनाने की आवशयकता है और प्रत्येक बड़े स्टेशन पर डस्ट बिन खाली करके कचरे के डिस्पोज़ल की भारी जरूरत है क्योंकि पर्यटकों के मन में भारत की छवि एक गंदगी से भरे देश की बन रही है और इससे पर्यटन से होने वाली आय प्रभावित होती है। सर, मलेशिया और श्री लंका जैसे देश भी भारत की तुलना में बहुत अधिक साफ़ -सुथरे हैं।

3 . रेलवे स्टेशनों पर या तो पर्याप्त वाशरूम्स की उपलब्धता नहीं है या फिर वे साफ़ नहीं मिलते हैं। कृपया इस कार्य का पूरी तरह निजीकरण करके भुगतान आधारित वाशरूम्स की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करावें।

4 . भारतीय रेलवे में कई ट्रेन अपनी लेटलतीफ़ी के लिए कुख्यात हैं जैसे कि - श्रमजीवी सुपरफास्ट एक्सप्रेस या मरुधर एक्सप्रेस इत्यादि। सुझाव यह है कि श्रमजीवी सपरफास्ट जो रोजाना नई दिल्ली स्टेशन पर 2 घंटे लेट पहुँच रही है तो कम से कम इसके नाम से सुपरफास्ट तो हटा दीजिए ताकि लोग भ्रमित होकर टिकिट बुक न करायें।

5 . भारतीय रेल्वे किसी गाडी के 3 घंटे से अधिक लेट होने पर यात्री की आगे की कोई ट्रेन छूट जाने पर रिफंड करता है। महोदय , यह नाइंसाफी है। कृपया इसे घटा कर एक घंटा कीजिये।

6 . सर , रेल्वे विभाग का अनावश्यक सामान , हटाई गई कोई चीज़ या कबाड़ लाइन्स के सहारे पड़ा रहता है और वह राह में बाधा करता है या सुंदरता को प्रभावित करता है। कृपया इस सम्बन्ध में कारगर नीति निर्मित की जाए.

7 . विगत एक दशक से यह देखा जा रहा है कि जहाँ स्थायी पेंटेड बोर्ड की जरुरत होती है वहां भी टेम्पेररी फ्लेक्स बैनर या चेपी चिपका दी जाती हैं जो कुछ ही दिन में धूप से तप कर अपने स्थान से हट जाती हैं (उदाहरण - द्वारका रेल्वे स्टेशन , गुजरात). कृपया स्थाई लोहे के परम्परागत बोर्ड पर पेण्ट से लिखवाने के आदेश जारी कराएं जी।

8. ऐसी ट्रेन जो कि किसी स्टेशन पर आकर थोड़ी ही देर में वापिस उसी ट्रेक से जाती हैं , वे नए या कम परिचित यात्री को बहुत दुविधा पैदा करती हैं जैसे कि उदयपुर से जयपुर अपरान्ह 13 .40 पर आने वाली गाड़ी संख्या 12991 आधा घंटे वाद ही उसी प्लेटफॉर्म से गाड़ी संख्या 12992 में वदल कर उदयपुर जाती है। प्लेटफॉर्म पर वह यह समझ ही नहीं पाता कि यहां तो गाडी 12991 आ रही है और उसे 12992 से जाना था। इसी तरह कई गाड़ियों पर एक साथ बहुत सारे गाड़ी नम्बर लिखे होते हैं क्योंकि वे रैक कई जगह काम में आ रहे होते हैं। ऐसी सामान्य सूचनाएं जनजागरूकता हेतु प्रत्येक बड़े स्टेशन पर अवश्य होनी चाहिए।

आशा है आप सुझावों पर अवश्य ही विचार करेंगे. सादर .
सुरेंद्र कटारिया

Scanned with OKEN Scanner